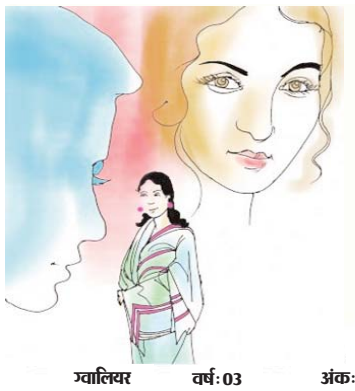

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर, मंगलवार, 07 जनवरी 2019

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 07

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

जेएनयू में हिंसा /

यूनिवर्सिटी राजनीति का अड्डा न बने: स्मृति

केरल के मुख्यमंत्री ने कहा- कैंपस में खूनी खेल बंद करे संघ

नई दिल्ली.

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में रविवार रात छात्र-शिक्षकों पर नकाबपोशों के हमले के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सोमवार को कांग्रेस ने इस हिंसा के लिए भाजपा और एबीवीपी को जिम्मेदार ठहराया। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने कहा कि संघ को कैंपस से खूनी खेल बंद करना चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि यूनिवर्सिटी को राजनीति का अड्डा नहीं बनाना चाहिए।

जेएनयू कैंपस में रविवार शाम को हुई हिंसा में छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत कई छात्र और शिक्षक घायल हो गए थे। इसके बाद रात भर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। रविवार की रात को ही गृह मंत्री अमित शाह ने पूरे मामले पर रिपोर्ट तलब की थी। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर अमूल्य पटनायक को कानून-व्यवस्था बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आदेश भी दिया था।

देश में अशांति फैलाने की साजिश: विजयन

केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने कहा, ''संघ को कैंपस से खतरनाक खूनी खेल बंद करना चाहिए। यह अच्छा रहेगा, अगर वे समझ लें कि छात्रों की आवाज ही देश की आवाज है। छात्र असहिष्णुता के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। जेएनयू के छात्रों-शिक्षकों पर नाजी-स्टाइल में उन लोगों द्वारा हमला किया गया, जो देश में अशांति और हिंसा फैलाना चाहते हैं।''

अमित शाह के निर्देश पर हिंसा: सुरजेवाला

कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि जेएनयू में हिंसा की घटना के पीछे भाजपा और एबीवीपी के गुंडे हैं। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब अमित शाह के निर्देश पर किया जा रहा है। कांग्रेस समेत विपक्ष ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। सारे देश ने सरकार प्रायोजित गुंडागर्दी और आंतक को देखा। यह सब जेएनयू प्रशासन और सीधे गृहमंत्री अमित शाह के अधीन काम करने वाली दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में हुआ। वहीं, कपिल सिब्बल ने कहा कि नकाबपोशों को कैंपस के अंदर जाने की इजाजत कैसे दी गई। कुलपति ने क्या किया। पुलिस बाहर क्यों खड़ी रही। गृह मंत्री क्या कर रहे हैं। इन सभी सवालों के जवाब अब तक नहीं मिले हैं। साफ तौर पर यह एक षड्यंत्र है। इसकी जांच जरूरी है।

छात्रों को सियासी हथियार न बनाया जाए: स्मृति

स्मृति ईरानी ने कहा कि जेएनयू हिंसा मामले की जांच शुरू हो चुकी है, लिहाजा अभी इस पर बोलना ठीक नहीं होगा। विश्वविद्यालयों को न तो राजनीति का अड्डा नहीं बनना चाहिए और न ही छात्रों को राजनीतिक हथियार की इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

वामपंथी छात्र जिम्मेदार: गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जेएनयू की हिंसा पर कहा कि वामपंथी छात्र यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठा धूमिल कर रहे हैं। उन्होंने संस्थान को उपद्रव का अड्डा बना दिया है।

मायावती ने कहा- जेएनयू की घटना शर्मनाक

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी जेएनयू की घटना की निंदा करते हुए, कैंपस में हिंसा को शर्मनाक करार दिया है। मायावती ने घटना को लेकर जिम्मेदारों के रवैये पर भी सवाल उठाए हैं।

झारखंड विधानसभा /

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बरहेट विधानसभा सीट से विधायक के रूप में ली शपथ

रांची.

पंचम झारखंड विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से पुराने विधानसभा भवन में शुरू हुआ। प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुमका सीट छोड़, बरहेट विधानसभा सीट से विधायक के रूप में शपथ ली। इसके बाद सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ लिया। विस सत्र आठ जनवरी तक चलेगा।

बताते चलें कि हेमंत सोरेन ने दुमका व बरहेट विस सीट से चुनाव लड़ा था। उन्होंने दोनों ही सीट पर जीत दर्ज की थी।

उल्टा पड़ा अमेरिका का दांव! हमले ने ईरान के इस्लामिक सहयोगियों को किया एकजुट

भाषा,बगदाद। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में ईरान के प्रभाव को कम करने के मकसद से जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या की, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो इस्लामी गणराज्य के सहयोगी इस घटना के बाद से और एकजुट हो गए हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गाईस कुद्स फोर्स के प्रमुख के तौर पर सुलेमानी, लेबनान और इराक से सीरिया और यमन तक क्षेत्रीय सत्ता संघर्षों में तेहरान के हस्तक्षेप को देखते थे।

गाजियाबाद में भीषण हादसा, ट्रैक्टर ट्राली सवार पांच मजदूरों की मौत

गाजियाबाद.

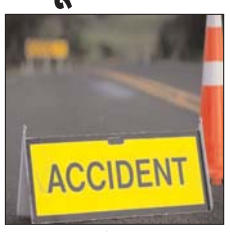

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में रविवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गाजियाबाद के संजय नगर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह हादसा मुरादनगर इलाके में नेशनल हाईवे-58 पर हुआ। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर ट्राली पर सवार होकर कुछ मजदूर रविवार रात मुरादनगर की तरफ जा रहे थे, लेकिन नेशनल हाइवे-58 पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। यह हादसा रात ढाई बजे हुआ। इस हादसे में मेरठ के सरधना थाना इलाके के पोहली गांव निवासी दुर्गेश (24), प्रवेश (24), अमित (25), कृष्ण (26) और सहारनपुर जिले के बालपुर निवासी चंद्र (50) की मौत हो गई। जबकि, राहुल और जोनी घायल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में अपील पेंडिंग होने की दलील देकर माल्या दिवालिया कार्रवाई नहीं रोक सकता: चीफ जस्टिस

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विजय माल्या अपनी याचिका पर फैसला बाकी होने की दलील देकर दूसरी अदालतों के फैसलों को नहीं अटका सकता। चीफ जस्टिस एस ए बोबड़े की बेंच ने यह आदेश दिया। बता दें एसबीआई समेत अन्य बैंकों ने लंदन की अदालत में माल्या के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की अपील की थी। लंदन की कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस बीच माल्या ने कर्ज चुकाने के प्रस्ताव के साथ 27 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी। इसके बाद लंदन की कोर्ट में भी अपील दायर कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक दिवालिया मामले में कोई आदेश जारी नहीं होना चाहिए।

माल्या के प्रत्यर्पण मामले में फरवरी में सुनवाई

किंगफिशर एयरलाइन के लोन मामले में माल्या पर धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। बैंकों के मुताबिक माल्या पर 10 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं। वह मार्च 2016 में लंदन भाग गया था। लंदन की अदालत और सरकार माल्या के प्रत्यर्पण की मंजूरी दे चुकीं, लेकिन उसने फैसले के खिलाफ अपील की थी। उसकी अपील पर फरवरी में सुनवाई होगी। भारत में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) अदालत ने पिछले दिनों बैंकों को माल्या की जब्त संपत्तियां बेचने की मंजूरी दे दी थी। हालांकि, इस आदेश पर 18 जनवरी तक स्थगन रहेगा।

60 हजार के इनामी गुंडों से पुलिस की 17 मिनट मुठभेड़

दोनों तरफ से 35 फायर, तीन बदमाशों के हाथ-पैर पर गोली मारी

इंदौर/उज्जैन.

चिंतामन-धरमबड़ला रोड पर रविवार रात 12.30 बजे पुलिस की 60 हजार के इनामी गुंडों से 17 मिनट मुठभेड़ हुई। बदमाशों ने पुलिस पर 10-12 फायर किए। जवाब में पुलिस ने 24 फायर किए। गुंडे काऊ, कालू और सोहन के हाथ-पैर पर पांच गोली मारी। तीनों को घायल हालत में गिरफ्तार कर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें इंदौर रैफर कर दिया।

एक जनवरी की रात सांवेर रोड पर गांधी नगर में गुंडा नितेश उर्फ काऊ सड़क पर जन्मदिन मना रहा था, जहां उसकी दूसरे पक्ष से झड़प हो गई। मौके पर पुलिस पहुंची तो काऊ फायरिंग और पथराव कर साथी करण उर्फ कालू, सोहन पटेल के साथ फरार हो गया। इसमें डायल-100 के कांच फुटे थे। घटना के तीन दिन बाद 3 जनवरी को पुलिस ने गुंडे काऊ और उसका साथी करण उर्फ कालू का मकान तुड़वा दिया था। तीनों पर 60 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। इसके बाद से ही पुलिस को इनकी तलाश थी। पुलिस की पांच टीम इन्हें खोज रही थी। रविवार रात सूचना मिली कि ये गुंडे नीली कार में इंदौर से तपोभूमि के रास्ते धरमबड़ाला की तरफ आ रहे हैं।

पुलिस अफसर 45 जवानों के लेकर मौके पर पहुंचे और घेराबंदी की। बदमाशों ने पुलिस को देखते ही फायर शुरू कर दिए।

मुंबई-कोलकाता और अलीगढ़ में विरोध, हिंसा को लेकर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की; 23 घायलों की एम्स से छुट्टी

नई दिल्ली.

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में हिंसा के विरोध में सोमवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया, कोलकाता की जाधवपुर यूनिवर्सिटी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन हुए। रविवार को जेएनयू में फीस बढ़ोतरी में प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई। नकाबपोश बदमाशों ने प्रदर्शनकारी छात्रों को डंडे और लोहे की रॉड से बुरी तरह पीटा। वे करीब 3 घंटे तक कैंपस में कोहराम मचाते रहे। हमले में छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत कई घायल हो गए। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सोमवार को स्वत: संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। सोशल मीडिया और सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच की जा रही है। अब तक 23 घायलों को एम्स से छुट्टी मिल चुकी है। आइशी ने एबीवीपी पर हमले का आरोप लगाया और कहा कि नकाबपोश गुंडों ने मुझे बुरी तरह पीटा। जेएनयू में हिंसा के बाद भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने जांच के लिए ज्वाइंट कमिश्नर की अगुआई में टीम गठित की। कैंपस में हिंसा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें नकाबपोश लोग डंडे और लोहे की रॉड लेकर मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान प्रदर्शनकारी यह कहते सुने जा सकते हैं कि कौन हो तुम लोग? किसे डराना चाह रहे हो?.. एबीवीपी वापस जाओ। जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर योगेंद्र यादव के साथ भी हाथापाई हुई। जेएनयू के भीतर फंसे छात्रों ने भास्कर को बताया था कि हिंसा के बाद वे भीतर फंसे गए। काफी देर तक कैम्पस में मारपीट और शोरशराबा चलता रहा। हॉस्टल के गेट बंद कर दिए गए और नाकबपोश लोग डंडे लेकर घूमते रहे।

इंदौर में नगर निगम ने मुक्त कराई 50 करोड़ की जमीन

इंदौर में एमआर-10 पर तपेश्वरीबाग में नगर निगम ने 50 करोड़ की जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई। यहां से करीब 15 निर्माण हटाए गए। कुछ लोगों ने बिल्डिंग मटेरियल पटककर यहां दुकानें लगा ली थीं। जिला प्रशासन के रिकॉर्ड में सवा हेक्टेयर की जमीन राम मंदिर की है। कार्रवाई के संबंध में अपर आयुक्त संदीप सोनी ने बताया। उधर न्याय नगर बसाने वाले कॉलोनाइजर ने सरकारी जमीन भी बेचने का मामला सामने आया है। तीन बड़े निर्माणों को नगर निगम नोटिस देगा। शराब की खाली बोतलों का अवैध गोदाम भी गिरा दिया गया।

पीएम मोदी ने फोन पर ट्रंप को दी नए साल की मुबारकबाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातकर नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। नव वर्ष की शुभकामना संदेश के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध काफी मजबूत हो गए हैं। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी है। पीएमओ की ओर से ट्वीट में, पीएम मोदी ने देशवासियों की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप और उनके परिवार के साथ अमेरिका के नागरिकों को भी नए साल की बधाई दी है। पीएमओ की ओर से जारी की गई सूचना के अनुसार पीएम ने दोनों देशों के बीच पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया।

लातेहार: TSPC के सब जोनल कमांडर समेत 5 नक्सली गिरफ्तार

लातेहार.

झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान के तहत जारी छापेमारी में बड़ी कामयाबी हासिल की है. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टीएसपीसी (ञ्सक्ष्ट) नक्सली के सब-जोनल कमांडर कार्तिक जी समेत 5 नक्सली को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में हथियार, कारतूस, नक्सली पर्चा और साहित्य बरामद किए है. फिलहाल पुलिस नक्सलियों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है.

पुलिस ने नक्सलियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार व कारतूस किए बरामद

लातेहार पुलिस ने नक्सलियों के जारी छापेमारी अभियान में कामयाबी हासिल करते हुए प्रतिबंधित नक्सली संगठन ञ्सक्ष्ट के सब-जोनल कमांडर कार्तिक जी समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही गिरफ्तार नक्सलियों के निशानदेही पर पुलिस को नुकसान पहुंचाने के उदेश्य से छिपाकर रखा गया दो कार्बाइन, एक सेमी ऑटोमेटिक राइफल समेत 10 हथियार, 423 कारतूस, नक्सली साहित्य व भारी मात्रा में दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया है.

हिमाचल रोडवेज की बस पर अनियंत्रित होकर पलटा ट्राला, 12 से अधिक यात्री घायल, घायल बच्चे को पीजीआई भेजा

नाहन.

चंडीगढ़-कालाअंब-पांवटा साहिब नेशनल हाईवे-7 पर गौसदन के पास हिमाचल रोडवेज की एक बस और ट्राले में टक्कर हो गई। जिसमें 12 से अधिक लोग यात्री घायल हो गए। लोगों की मदद से घायलों को मेडिकल कॉलेज नाहन में पहुंचाया गया है। जानकारी के मुताबिक घायलों में तीन यात्रियों की हालत गंभीर है।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि ट्राला हरिद्वार से मनाली की ओर जा रहा था जो अनियंत्रित होकर सामने से आ रही एचआरटीसी की सुंदरनगर डिपो की बस से टकरा गया। ट्राला बस की उपर ही पलट गया। घायलों को लोगों की मदद से काफी मुश्किल से बस से निकाला गया। जब यह हादसा हुआ तो बस में यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

संपादकीय

सामाजिक बदलाव के कबीर

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के कनासिया गांव में, धन्य तेरी *करतार कला का, पार नहीं कोई पाता है, भजन की टेर गूंज रही है। दर्शकों में भजन सुनते-सुनते मस्ती छा गई, वे झूमने और नाचने लगे। यह मीठी खनक आवाज शिवानी गांगोलिया की थी, जो कबीर भजन गा रही थीं।शिवानी गांगोलिया उज्जैन की रहने वाली हैं, उनका पूरा परिवार ही संगीत से जुड़ा है। उन्होंने हाल में कॉलेज की शिक्षा ग्रहण की है। लेकिन यहां शिवानी अकेली नहीं है, जो कबीर भजन गाती हैं। और भी कई महिलाएं हैं। मालवा में कबीरधारा बह रही है। कई युवा इससे जुड़े हैं और प्रहलाद सिंह टिपानिया जैसे बहुत से लोक गायक कबीर को गाने वाले भी हैं।यहां 90 के दशक की शुरुआत से कबीर भजन कार्यक्रम नियमित होते रहते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में काम करनेवाली संस्था के कार्यालय में मंडलियां आती थीं और भजन गाती थीं। कबीर के विचारों पर चर्चा होती थी। तब से यह सिलसिला चल रहा है। हर माह की दो तारीख को यह कार्यक्रम होता है।*

एकलव्य संस्था ने करीब तीन दशक पहले कबीर मंडलियों से संपर्क व संवाद स्थापित किया था। कबीर के सामाजिक विचारों को केंद्र में रखकर इस तरह के नियमित कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया था। हालांकि कबीर को मालवा में मौखिक वाचिक परंपरा में सालों से गाया जाता रहा है। यह श्रुति (सुनना) और स्मृति (याद करना) कबीर परंपरा शताब्दियों से चल रही है। मौखिक परंपरा, श्रुति और स्मृति के आधार पर चलती है, इसमें गीतों में जोड़-घट होती रहती है।

कबीर 15 वीं शताब्दी के क्रांतिकारी कवि, समाज सुधारक थे। वे ऐसे कवि व संत हैं, जिन्होंने आर्थिक अभाव में रहते हुए धार्मिक कर्मकांड,जातिवाद और पाखंड का विरोध किया था। जुलाहे के रूप में अपनी आजीविका के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने एक निडर सामाजिक आलोचक की भूमिका को भक्ति और आध्यात्मिकता से जोड़ा था।कबीर के भजनों की खूबी यह है कि 600 साल बाद भी वह जनसामान्य में कई रूपों में मौजूद हैं। कबीर उनके भजन व उन्हें गाने वालों में हैं। मैं इसी मालवा के कबीर को जानने- समझने की कोशिश करने आया हूं। मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग में मालवा अंचल है। मालवा की एक पुरानी कहावत है- मालव धरती गहन गंभीर, डग डग रोटी पग पग नीर। यह कहावत यहां की उपजाऊ भूमि, जिसमें अच्छी उपज होती है, यहां की समृद्धता को दर्शाती है और पानी की बहुलता को भी।नारायण सिंह देल्म्या बरण्डवा (उज्जैन जिला) गांव के रहने वाले हैं। पहले वह खुद कबीर की चौका आरती, पूजा पाठ व महंतों की सेवा करते थे, लेकिन जब से उन्हें कबीर वाणी का सही अर्थ समझ आया है, तब से उन्होंने यह सब छोड़ दिया। इसी प्रकार, कालूराम बामनिया जो पहले एक महंत की सेवा करते थे, सत्संग से जुड़े थे, पर उन्होंने भी वह सब छोड़कर कबीर की समाज सुधार वाली परंपरा को आगे बढ़ाया। गीता पराग, बीसलखेड़ी गांव की रहनेवाली हैं। वह कबीर की ओर उनकी सास लीलाबाई पराग की वजह से मुड़ी। लीलाबाई, कबीर भजन गाती थीं। गीता पराग ने उनसे कबीर भजन सुने, फिर कैसेट व सीडी से भजन सुनने लगीं। वह कबीर भजन गाने लगीं, उन्हें विधिवत गायन की सीख नारायण देल्म्या और कालूराम बामनिया ने दी। इसके लिए हर हफ्ते घरों में जाकर तम्बूरा और मजीरा के साथ भजनों का प्रशिक्षण दिया जाता था।तम्बूरा, हारमोनियम, वायलिन, ढोलक, नगाड़ी, करतार और मजीरे ने इसे नया रूप दिया है। सुर-तान व कबीर संगत को मजेदार बनाया है। बाजार में कई सीडी आ गई हैं। जगह-जगह कार्यक्रम होते हैं। रामनारायण स्याग बताते हैं कि हमने कबीर के साथ भीमराव आंबेडकर को भी जोड़ा। आंबेडकर विचार मंच का भी गठन किया था। इसके तहत् भी कई सालों तक बैठकों का सिलसिला चला। आंबेडकर के विचारों व संविधान में लोगों के अधिकारों पर भी बातें की।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि छह सौ साल बाद भी कबीर धारा बह रही है। वह आज मालवा में कबीर भजन मंडलियों में जीवंत हैं, जो नियमित तौर पर उन्हें गाते हैं, सुनते हैं और गुनते हैं, उसमें कुछ जोड़ते और आगे बढ़ाते हैं। कबीर से सीख लेते हैं। खुद बदलते हैं और दूसरों को यही संदेश देते हैं।

मुस्कुराती ज़िंदगी

लता आज बेहद उदास थी। श्याम दफ्तर जा चुका था और लता की सास अपने कमरे के कोने में बने पूजा घर में चुपचाप से क्या मांग रही थी, यह तो शायद वे ही जानती होंगी। लता ने दोनों बेटियों को रोज़ की तरह नाश्ता करा के स्कूल भेज दिया, लेकिन खुद बिना कुछ खाए-पीये जाकर अपने कमरे में लेट गई।

लता को श्याम से ऐसी उम्मीद तो कभी थी ही नहीं, जैसा व्यवहार कल रात श्याम ने किया। बैंक में मैनेजर है और शादी के आठ सालों में लता ने श्याम को ऐसे चीखते हुए कहीं नहीं देखा, जैसा कल रात को हुआ।

लता अपने बिस्तर पर लेट गई और माथे पर बाम लगाने लगी। रात को लता शायद पल भर के लिए भी ढंग से सो नहीं पाई। बार-बार यही सोचती रही कि श्याम को आख़िर हो क्या गया कि मेरे अबार्शन की बात को लेकर इतनी जोरों से चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया।

तभी दरवाज़े की घंटी बज उठी। लता की सास पूजाघर में बैठी थी; वहीं से चीख कर बोली—'अरी, बहू! देख तो ले दरवाज़े पर कौन है?' लता ने जवाब दिया—'देखती हूं मां जी। देख रही हूं।'

लता ने दरवाज़ा खोला, तो देखा रसोई की गैस का सिलेंडर लगाने एजेंसी का आदमी खड़ा है। लता ने उस से गैस-बुकिंग की पर्ची ली और रसोई में ले जाकर सिलेंडर बदलवाया। पूजा घर से सास ने फिर पूछा—'अरी, कौन आया है?' तो लता ने कहा—'गैस का सिलेंडर लगाने वाला आया है गैस एजेंसी से। आप पूजा कर लें, मैं सब करा लूंगी।'

लता ने सिलेंडर बदलवा कर पैसे दिए और गैस-एजेंसी का आदमी चला गया। लता ने देखा, साढ़े ग्यारह बजे हैं। अम्माजी तो अभी एक घंटे और पूजा करेंगी और बेटियां स्कूल से ढाई बजे तक ही आएंगी। लता का सिर दर्द से फटा-सा जा रहा था, इसलिए वह फिर कमरे में जाकर लेट गई।

लता की आंखों में शादी के बाद के आठ साल घूम रहे थे। उसके पापा एग्जीक्युटिव इंजीनियर और मां महिला विद्यालय में लेक्चरार हैं। लता और सीमा उनकी बेटियां हैं। पापा ने एक बार हंसी-हंसी में बताया था कि जब लता पैदा हुई, तो बड़ी दुबली-पतली थी, इसलिए खुश होकर लता नाम रखा था।

हंसकर लता ने ही पूछा था पापा से—'और पापा! फिर सीमा का नाम क्यों 'सीमा' रखा?' तो हंस कर पापा बोले थे—'बेटी लता! यह नाम तुम्हारी मम्मी का दिया हुआ है। वे दो ही संतान चाहती थीं, इसलिए जब दूसरी बेटी हुई, तो तुम्हारी मम्मी ने कहा कि यह हमारी सीमा है।'

लता ने करवट बदली। कल रात श्याम का चीखना और बार-बार कहना कि 'अबार्शन' तो कराना ही पड़ेगा, लता को कहीं भीतर तक कुरेद गया है।

फिर से विचारों का तार जुड़ गया।

लता की शादी हुई, तो वह एम.एससी. कर चुकी थी और रिसर्च का मन बना रही थी कि पिताजी ने श्याम से उसका रिश्ता पक्का कर दिया। लता की शादी हो गई तो उसने नौकरी करने का प्रस्ताव श्याम के सामने रखा था। तब श्याम ने कहा था—'मुझे तो नौकरी में कोई एतराज़ नहीं है लता, लेकिन घर पर मां दिन भर अकेली रहेंगी तो तकलीफ़ ज़रूर होगी। सोच लो; घर तो मेरी कमाई में चलता ही है।'

लता ने सोचा था तब कि श्याम सचमुच बहुत सुलझा हुआ पति है। और डेढ़ वर्ष बाद, जब उनकी बेटी गौरी पैदा हुई तो श्याम की मां ने ही उसका नाम गौरी रखते हुए कहा था कि यह तो पार्वती का रूप है। लेकिन गौरी के बाद जब रिया पैदा हुई, तो लता की सास मानों बुझ ही गई। अब उन्हें गौरी में अपनी पार्वती नहीं दिखाई देती। रिया को तो दादी शायद ही कभी आवाज़ लगाती हों।

लता ने एक-दो बार श्याम को कहा भी, तो श्याम ने भी बुझे मन से ही कहा—'अब छोड़ो भी इस बेकार की बात को? आख़िर अम्मा के मन में भी तो पोते की ललक रही है और तुमने दी हैं दो-दो पोतियां?' एक बार तो लता ने कह भी दिया था—'बेटियों के बाप आप हैं जनाब! बेटा देना आपकी जिम्मेदारी है, क्या यह भी आपको समझाना पड़ेगा?'

तब लता ने महसूस किया था कि श्याम को लता की बात कहीं-न-कहीं चुभ गई है, लेकिन सच तो यही था।

लेकिन कल रात श्याम के ऊपर जाने कैसा भूत-सा सवार हुआ की बोला—'सुनो, लता! कल या परसों सुविधा देखकर अपना अबार्शन करा लो; अब इस घर में हमें बेटी नहीं चाहिए।'

'क्या मतलब? क्या इसीलिए तुमने अल्ट्रासाउंड कराया था मेरा? ज्मैंने तुम्हें कहा था की मैं गर्भ का अल्ट्रासाउंड करके लिंग परीक्षण नहीं करना चाहती, क्योंकि यह सब कानूनी दृष्टि से तो अवैध है ही, नैतिक और सामाजिक दृष्टि से और भी ज्यादा ख़राब बात है। बेटी क्या मेरे और तुम्हारे प्रेम का रूप नहीं होगी?' लता ने श्याम को अपना दृढ़ इरादा बता दिया था।

तभी श्याम आपा खोकर चिल्लाया था—'आख़िर कितनी बेटियां पालेंगे हम? क्या मेरी मां पोते का मुंह देखे बिना ही संसार से तड़पती हुई चली जाएगी? ज्तुम्हारे घर की तो परम्परा ही है बेटियों को जन्म देने कीज तुम्हारा कोई भाई नहीं हुआ, तो क्या मेरी मां को भी पोता न मिले? तुम्हें अबार्शन तो करना ही पड़ेगा।'

लता ने बेचैन होकर करवट बदली। सिर का दर्द बाम लगाने से थोड़ा कम हो गया था। लता उठ गई और देखा की उसकी सास पूजा खत्म कर चुकी हैं। एक बज रहा था; बेटियों के आने में अभी देर थी। लता ने कुछ सोचा और उठ कर मुंह-हाथ धोकर सास के पास आई।

सास ने देखा, लता उनके कमरे में चुपचाप खड़ी है। उनके मुंह से निकला—'क्या बात है, बहू? तबीयत ठीक नहीं है क्या?' लता सास के पास ही पलंग पर बैठ गई और बोली—'मां जी! आज मैं बहू नहीं, बल्कि आपकी बेटी बनकर कुछ कहने आई हूं। बताइए, क्या मुझे बेटी मान कर प्यार की भीख आप मुझे देंगी?'

जाने लता के शब्दों में क्या जादू था कि लता की सास ने उसे अपने पास बिठाकर अनायास छाती से लगा लिया। लता को भी सास से यह उम्मीद नहीं थी। सास ने जैसे ही लता को छाती से लगाया, वैसे ही, रातभर उसके मन में उमड़ती रही विचारों की आंधी जैसे आंसुओं के रूप में उमड़ पड़ी। लता की हिचकियां बंध गईं और सास उसके सिर और पीठ पर हाथ फेर कर चुप कराती रही।आंसुओं की बाढ़ रुकी तो लता ने शांत मन से कहना शुरू किया—'मां! मुझे बताइए कि बेटी पैदा करना क्या मेरा अपराध है? आप और मैं भी तो किसी की बेटी ही हैं न? ज्बताओ, मां! अगर मेरा बेटा हो जाता, तो तभी क्या मैं सफल औरत हुई होती? मुझे बहू न मान कर, अपनी बेटी मान कर कहिये, मां! क्या श्याम के कहने से मैं अपने गर्भ में आ गई अपनी बेटी की इसलिए हत्या कर दूं कि वह बेटा नहीं है?'लता की सास हड़बड़ा कर बोली—'क्या हुआ, मेरी बेटी? किसने कहा तुझे कि अजन्मी बेटी को मार दे?" आपके बेटे ने कहा कि आपको पोता चाहिए; पोती नहीं चाहिए। बताओ मां! क्या औरत होकर आप भी चाहती हैं कि मैं जन्म से पहले ही, औरत होते हुए एक औरत की हत्या कर दूं? बताइए, मां! बताइए। क्या सचमुच आप पोती की हत्या चाहती हैं?' लता ने भावुक होकर मां के चरणों में गिर कर कहा।

और, ज्न जाने कहां से लता की सास में गज़ब का जोश आ गया! मां बोली—'नहीं, नहीं, बेटी! बिल्कुल नहीं! पगला गया है श्याम! अरे, पोता हो या पोती; मेरे लिए तो चांद और तारों से बढ़ कर हैं! ज्पोता चाहती रही हूं मैंज्हां! बेटी, यह सच है, लेकिन पाप करके पोता कभी नहीं चाहिए मुझे! कभी भी नहींज्कभी नहीं। एक पोते की चाह में अपने बहूज्. नहीं, नहीं, अपने बेटी की ज़िंदगी मैं नर्क नहीं बनने दूंगी।'लता ने आंसुओं की झड़ी के बीच अपने सास को देखा तो उसे लगा कि उसकी मां ही उसे अभयदान दे रही है। सास का स्वर गूंजा—'मुझे चाहिए बेटी की मुस्कुराती ज़िंदगी।' और लता के सिर पर हाथ फेरते हुए बोली—'चल, बेटी! मेरी पोतियां स्कूल से आती होंगी! उनकी चिंता नहीं है क्या तुझे?'

आदिम मनुष्य कविता के पास था

यह बात सच है कि सभी भाषाओं में कविता का जन्म पहले हुआ है। इसके अनेक कारण बताए जाते हैं। किसी ने यह सिद्धांत रखा कि भाषा ध्वनि-सादृश्य से आई है। इसकी एक माव-माव थियरी है। एक बाव-बाव थियरी भी है। कुत्ते की तरह बाव-बाव करते थे, इसलिए बाव-बाव। मगर इसमें कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल, भाषाशास्त्रियों के अनुसार भाषा की निर्मिति हमारे अवचेतन में होती है। बाद में वह चेतना के स्तर पर आती है। हमारे अवचेतन में भाषा का कोई सुस्पष्ट आकार नहीं होता। जैसे, हमें सपने में कुछ अगम्य दिखाई देता है, लेकिन उसे हमारी तर्कपूर्ण भाषा का आकार नहीं दिया जा सकता है।

अवचेतन में भाषा का उत्स होने के कारण मूलत: वह काव्यात्मक, तरल, प्रवहमान और अखंड होती है। फिर वह चेतना के स्तर तक आती है। उस समय उसका अलग-अलग विश्लेषण किया जा सकता है। बाद में वह तार्किक रूप में अभिव्यक्त होती है। भाषा का यह सफर मन ही मन होता है। भारतीय दर्शन में भाषा का अस्तित्व परा, पश्यंती, मध्यमा और वैखरी आदि रूपों में देखा गया है, जो मुझे अधिक सुविधाजनक प्रतीत होता है। अंतिम स्थिति वैखरी होती है। यह मस्तिष्क के लिए बोधगम्य स्थिति होती है।

इससे पूर्ववर्ती मध्यमा अवस्था चेतना के अधिक गहरे रूप में, हमारी विवेकशील बुद्धि के लिए अगम्य होती है। मगर इस अवस्था में मन ही मन कविता की भाषा व्यक्त होने का प्रयास करती रहती है। पश्यंती और परा-ये अवस्थाएं बोधगम्यता के अधिक रहस्यमयी भाग को दर्शाती हैं। सारांश यह कि गीतिकाव्य की भाषा इस अवचेतन स्थिति के करीब होती है। इसी कारण कविता को अनन्यसाधारण महत्व प्राप्त है।

कविता हमारे अवचेतन में घटित होने वाली घटना है। अवचेतन मन की संरचना हम कविता से ही जान सकते हैं। उदाहरण के लिए, कबीरा कुआं एक है पानी भरे अनेक। भांडे में ही भेद है सबका मालिक एक।। इस दोहे में जो लय मन पर अंकित हो जाती है, वह तार्किक नहीं होती, बल्कि वह उसके पीछे के अवचेतन से आती है। इस तरह कविता ठेठ अभिव्यक्ति होती है। अवचेतन मन का सीधे-सीधे कवि की भाषा में परिवर्तन होता है। इसलिए हर भाषा में कविता प्राथमिक और महत्वपूर्ण मानी जाती है। वह मानवीय सभ्यता की आदिम संस्कृति से नाता जोड़ती है। उसका मौखिकता से संबंध है।

लिखित भाषा बहुत बाद में, लिपि के अन्वेषण के बाद यानी मिस्र या सिंधु संस्कृति के बाद ही बीते चार हजार वर्षों में गद्य रूप में अवतरित हुई है। मानवीय इतिहास में सर्वत्र गद्य से बहुत पहले काव्य के युग संपन्न हो चुके हैं। हमारे वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद आदि के समय को ईसा पूर्व लगभग पांचवीं शती की कविता के युग से जोड़ा जाता है। पहला सूत्र रूप गद्य स्मृतियों के समय में ही आया न? ईसा पूर्व दूसरी-तीसरी शती में कविता ही सर्वत्र सार्वभौम थी। काव्य समाप्त होने के बाद गद्य का दौर शुरू हुआ। फिर उसमें विवेकशील गद्य शुरू हुआ। शुरुआती आदिम अवस्था में मनुष्य कविता के पास था। मगर परवर्ती दौर में गद्य की विवेकशीलता बढ़ती चली गई। माटी के संस्कार यानी उस जगह के संस्कार, जहां मनुष्य का जन्म हुआ है, जिस जगह पर हम पले-बढ़े, वहां के झाड़-झंखाड़, उस क्षेत्र के पक्षी-प्राणी, प्रकृति और कुल मिलाकर परिवेश के अस्तित्व का असर हम पर होता है, जो हमारे मन में, हमारी पहली भाषा में अंकित होने लगता है। इस कारण माटी से हमारा नाता बना रहता है।

माता-आपके द्वारा बताया गया दूसरा तत्व है। मनुष्य का शुरुआती संवाद तो मां से ही होता है। जन्म से भी पहले से। बच्चे को दूध पीना होता है। भूख लगने पर उसका रोना। विशिष्ट ढंग से रोने पर माता को पता चलता है कि इसे भूख लगी है। माता में भी जैविक रूप से यह संवेदना होती है। धीरे-धीरे वह बालक मां से बात करता हुआ तुतलाने लगता है। फिर अम्मां, मां। दो अक्षरों वाले, तीन अक्षरों वाले शब्द। फिर टूटे-फूटे वाक्य। मुझे भूख लगी है। खाना दो, वगैरह मोटी तार्किक वाक्य रचना शुरू हो जाती है। इसके लिए बालक को सप्रयास उस भाषा की परंपरा द्वारा पहले से बनी संकेत-व्यवस्था सीखनी पड़ती है, जिस परिवेश में वह जन्म लेता है। यानी, कर्ता, कर्म, क्रियापद आदि वाक्य में कहां आ सकते हैं, क्रिया-क्रियाविशेषण कहां आएंगे वगैरह-वगैरह। इसलिए शुरू में जो माटी और माता के प्रभाव का उल्लेख किया है, वह बिल्कुल ठीक है। हम भाषा को यों ही मातृभाषा नहीं कहते।

युगचेता सृजनकार कमलेश्वर

आनंद शर्मा

आम आदमी का स्वर, पीड़ा व त्रासदी को अपनी अनूठी कलम से विभिन्न साहित्यिक विधाओं के माध्यम से जीवंत करने वाले साहित्यकार थे कमलेश्वर। सत्ता से लेखकीय-सम्पादकीय स्तर पर निरंतर जूझता, अनवरत संघर्ष और तीखा प्रहार करना, यही उनकी नैतिकता का परिचायक है।6 जनवरी, 1932 को उत्तर प्रदेश के कस्बे मैनपुरी के एक साधारण से परिवार में असाधारण प्रतिभा के धनी लेखक कमलेश्वर का जन्म हुआ, जो शनै-शनै हिंदी साहित्य में एक सशक्त हस्ताक्षर के रूप में सामने आए।

कमलेश्वर का कथा साहित्य युग का प्रतिबिंब है, और समाज का जीवंत आलेख है। उनके साहित्य में समाज अपने पूर्ण परिवेश के साथ यथार्थ रूप में अंकित हुआ है। अतीत और वर्तमान को लेखक ने समान भाव से जिया है। इस अभिव्यक्ति में अध्ययन की सूक्ष्मता और अनुभूति की गंभीरता है। कमलेश्वर एक युगचेता साहित्यकार थे। इनके साहित्य में युगीन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और साहित्यिक परिस्थितियों का प्रभाव सहज ही देखा जा सकता है। साहित्यकार कमलेश्वर ने अपने युग के जटिल प्रश्नों को न केवल समझा अपितु

युगानुरूप उनके सटीक उत्तर भी तलाशते देखे गए हैं।

आर्थिक मुश्किलों के कारण कमलेश्वर ने जीवन की कंटीली पगडंडी को सहज बनाने के लिए अध्ययन के साथ ही आजीविका हेतु संघर्ष किए। वहीं मन-मस्तिष्क में विचार पनपते रहे और जल्द ही कागज पर उतारने लगे। पत्र-पत्रिकाओं में यदाकदा लेखन की प्रवृत्ति सहज ही साहित्यिक अभिरुचि में परिवर्तित होती हुई तथा 'बहार' मासिक पत्रिका से 'नई कहानियां' और 'इंगित' साप्ताहिक के संपादक का दायित्व निर्वहन किया। लोकप्रिय पत्रिका 'सारिका' के माध्यम से साहित्यिक जगत में ध्रुव तारा बनकर उभरे। अपनी वैविध्यपूर्ण लेखनी से 'मेरा हमदम मेरा दोस्त', 'भारती शिखर कथा-कोष', 'मेरे साक्षात्कार' जैसी अविस्मरणीय ग्रंथों से हिंदी साहित्य जगत की श्रीवृद्धि करके अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी।

समकालीन समाज का गहन अध्ययन और संवेदनशीलता से कमलेश्वर का लेखन मैनपुरी से प्रारंभ होकर इलाहाबाद, दिल्ली, मुंबई और फिर दिल्ली जैसे त्रासदपूर्ण महानगरीय जीवन की यंत्रणाओं का जीवंत दस्तावेज हिंदी साहित्य की अनमोल निधि हैं। कहानी, उपन्यास, आलोचना, संपादन, पत्रकारिता, फिल्म लेखन, रिपोर्ताज, संस्मरण आदि साहित्यिक पड़ावों पर उनकी विलक्षण शैली और कलेवर हिंदी साहित्य को विशिष्ट देन हैं। यथार्थवादी सोच से परिपूर्ण कमलेश्वर की पहली कहानी 'कामरेड' एटा से प्रकाशित होने वाली छोटी सी किंतु महत्वपूर्ण पत्रिका 'अप्सरा' में, वहीं 1957 में पहला कहानी संग्रह 'राजा निरबंसिया' ने पाठकों को पढ़ने के लिए मजबूर किया। 'नीली झील', 'मुर्दों की दुनिया', 'जॉर्ज पंचम की नाक', 'खोई हुई दिशाएं', 'मांस का दरिया', 'तलाश', 'दिल्ली में एक और मौत', 'ऊपर उठता हुआ मकान', 'एक अश्लील कहानी' के माध्यम से दमघोटू दिल्ली की गलाकाट स्पर्धा से आहत बेचारे मानव की विडंबनाओं का चित्रण किया। वहीं कभी ना थमने वाली और अनवरत अंधी दौड़ की अमानुषिक चक्की में पिसते बंबई के निरीह मानव को 'मानसरोवर के हंस', 'इतने अच्छे दिन', 'लाश', 'बयान', 'दुनिया बहुत बड़ी है', 'फटे पाल की नाव' जैसी हृदयस्पर्शी कहानियों ने हिंदी कहानी साहित्य में एक विलक्षण स्थान बनाया।कमलेश्वर की रचनात्मक सक्रियता और कर्मशीलता, उनके उपन्यासों 'एक सड़क, सत्तावन गलियां', 'डाक बंगला', 'लौटे हुए मुसाफिर', 'तीसरा आदमी', 'समुद्र में खोया हुआ आदमी', 'काली आंधी', 'आगामी अतीत', 'वही बात', 'सुबह, दोपहर, शाम', 'रेगिस्तान' नामक उपन्यासों के शब्द-शब्द में झलकता है। उनका कालजयी उपन्यास 'कितने पाकिस्तान' हिंदी साहित्य में एक अलग मुकाम स्थापित करने में सफल रहा। उनके इस उपन्यास के 16 से अधिक संस्करण छपना और अंग्रेजी सहित कुछ अन्य भारतीय भाषाओं में उसका अनुवाद कमलेश्वर की रचनाधर्मिता को नये आयाम देने में सफल रहा। जीने की लालसा में तिल-तिल मरते मानव को कमलेश्वर ने न केवल कथा साहित्य में चित्रांकित किया अपितु उसकी त्रासदी का वर्णन करते हुए संस्मरण, निबंध, आलोचना और संपादन के माध्यम से युगबोध और युगसत्य को उद्घाटित किया।कमलेश्वर का लेखक केवल साहित्यिक विधाओं में बंधकर नहीं रहा अपितु उसकी उड़ान आकाशवाणी, दूरदर्शन और सिनेमा के माध्यम से आए दिन नई सोच, नई उमंग और नए दर्शन को लेकर सामने आई। कमलेश्वर ने आकाशवाणी के लिए लगभग 700, दूरदर्शन के लिए 250 से अधिक स्क्रिप्ट लिखने के साथ साथ इन दोनों पत्रकारिता के सशक्त माध्यमों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। सिनेमा के क्षेत्र में 'मौसम', 'आंधी', 'पति, पत्नी और वो', 'डाक बंगला', 'रजनीगंधा', 'आनंद आश्रम', 'अमानुष', 'छोटी-सी बात' जैसी फिल्मों के माध्यम से समय, संदर्भ और स्थितियों के कालचक्र में फंसे आम आदमी की विवशताओं का प्रभावी अंकन किया। विविधतापूर्ण लेखन में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए उन्हें पद्म भूषण, साहित्य अकादमी और भारत भारती जैसे पुरस्कारों से विभूषित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

शिविरों का आयोजन होगा 6 जनवरी से 14 जनवरी तक

भिण्ड,ब्यूरो। एल्मिको के माध्यम से जिले में दिव्यांगजनो के लिए पात्रता परीक्षण शिविर नि:शुल्क कृत्रिम अंग/ सहायक उपकरणों का वितरण के लिए जिले के सभी विकास खण्डों में 6 जनवरी से 14 जनवरी 2020 तक परीक्षण शिविरो का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आईएस ठाकुर ने बताया कि परीक्षण शिविरों का आयोजन जनपद पंचायत गोहद में 6 जनवरी 2020 को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत मेहगांव अन्तर्गत नगर परिषद मेहगांव में 7 जनवरी को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक एवं जनपद पंचायत मेहगांव में 8 जनवरी को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत रौन में 9 जनवरी को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत लहार में 10 जनवरी को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत लहार के अन्तर्गत नगर परिषद दबोह में 11 जनवरी को प्रात:11 बजे से षिविर समाप्ति तक परीक्षण शिविर आयोजित की जाएगी।

राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिये आवेदन 31 तक

भिण्ड,ब्यूरो। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा कैलेण्डर वर्ष 2018 में महिला अभिरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिये राज्य स्तरीय पुरस्कार दिये जाएंगे। विभाग द्वारा संबंधित व्यक्ति/संस्था से 31 जनवरी, 2020 तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। पुरस्कार संबंधी विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।महिला (वीरता के लिये) रानी अवंती बाई वीरता पुरस्कार, महिला (समाज सेवा) के लिये राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार, समाज सेवा (संस्था/व्यक्ति) के लिये विष्णु कुमार समाज सेवा पुरस्कार, नारी सम्मान की रक्षा के लिये (पुरूष/महिला) मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार, साहसिक कार्य के लिये (पुरूष/महिला) अरूणा शानबाग साहस पुरस्कार तथा महिलाओं की सुरक्षा हेतु साहसिक कार्य के लिये (पुरूष/महिला) राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार दिया जायेगा।

जीव का योगी की अपेक्षा उपयोगी होना चाहिए: राघव ऋषि

श्योपुर ब्यूरो। ऋषि सेवा एवं पर्यावरण समिति बडौदा श्योपुर के तत्वाधान में आयोजित संगीतमय विष्णुमहापुराण कथा के षष्ठम दिवस कथा के माध्यम से पूज्य राघव ऋषि ने कहा कि जीव को योगी की अपेक्षा उपयोगी होना आवश्यक है। जिस तरह गोप गोपियां संसार के समस्त कार्य करते हुए भगवान की भक्ति में लीन रहते थे मनुष्य की उपयोगिता तभी सार्थक है कि हर पल हर छण भगवान का नाम जप चिन्तन बना रहे। श्रृद्धालुओं को कथा का रसपान कराते पूज्य ऋषि ने कहा भगवान के परम भक्त उद्धव जी को भगवान ने अपना सन्देशा गोपियों के लिए भेजा उद्धव जी परम ग्यानी शास्त्रों को जानने वाले आज भगवान ने अपना पीताम्बर दिया जिससे गोपियां पहचान सके। उद्धव जी पहुंचे दूर से देखने पर आभास हुआ कि जैसे स्वयं कृष्ण ही आ रहे हो किन्तु निकट आए उद्धव जी को देख उनकी दशा देखते ही बनती थी उद्धव जी ने अपना परिचय देते हुए कहा कि मैं आप लोगों के बीच संदेश वाहक के रूप में आया हूं हर बात को बताया समझाया किन्तु ग्यान योग की बातें गोपियों के कृष्ण वियोग की दशा देखकर उद्धव जी का ग्यान आता जाता रहा। कृष्ण के प्रति अथाह प्रेम देख अश्रुपूर्ण हो गए गोपियों ने अपने प्रेम की भाषा उद्धव जी को दे उनके ग्यान के अभिमान को तोडा कहा कृष्ण निर्मोही है उसने हम सब के साथ छल किया है। उद्धव जी ने कहा भगवान नित्य आप सभी को याद कर कर हमेशा रोते हैं ऐसी प्रेम की ध्वजा गोपियों को देख भावविभोर हो गए।

राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिये आवेदन 31 तक

श्योपुर ब्यूरो। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा कैलेण्डर वर्ष 2018 में महिला अभिरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिये राज्य स्तरीय पुरस्कार दिये जाएंगे। विभाग द्वारा संबंधित व्यक्ति, संस्था से 31 जनवरी, 2020 तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। महिला (वीरता के लिये) रानी अवंती बाई वीरता पुरस्कार, महिला (समाज सेवा) के लिये राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार, समाज सेवा (संस्था, व्यक्ति) के लिये विष्णु कुमार समाज सेवा पुरस्कार, नारी सम्मान की रक्षा के लिये (पुरूष,महिला) मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार, साहसिक कार्य के लिये (पुरूष,महिला) अरूणा शानबाग साहस पुरस्कार तथा महिलाओं की सुरक्षा हेतु साहसिक कार्य के लिये (पुरूष,महिला) राष्ट्र माता पद्मावती पुरस्कार दिया जायेगा। जिला स्तर पर प्रशस्ति पत्र सहित 50 हजार रूपये पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

अब रविवार को भी खुलेंगे शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

श्योपुर ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अब रविवार को भी खुले रहेंगे। शहरी क्षेत्र में बढ़ती आबादी के अनुपात को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सभी संभागीय जिलों में संजीवनी क्लीनिक खोले गये हैं। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भी मलिन बस्तियों में निवासरत लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु संचालित किए जा रहे है। सोमवार को इन केन्द्रों पर अवकाश रहेगा।

बाल संरक्षण सप्ताह 6 से

श्योपुर ब्यूरो। राज्य शासन ने बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों के प्रति जनसमुदाय में जागरूकता पैदा करने 6 से 11 जनवरी तक प्रदेश में बाल संरक्षण सप्ताह मनाने का निर्णय लिया है। बाल संरक्षण सप्ताह में पहले दिन 6 जनवरी को विकासखण्ड तथा जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित कर लोगों को बाल संरक्षण संबधी विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जायेगा। दूसरे दिन कलेक्टर द्वारा संस्था सम्पर्क अभियान में प्रत्येक संस्था के लिए दल गठित किया जायेगा।

जुआ खेलते दो गिरफ्तार

श्योपुर ब्यूरो।शहर के गांधी नगर में सीव्ही रमन स्कूल के पास हार-जीत का दावं लगा रहे दो जुंआरियों को कोतवाली थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक गांधी नगर निवासी रिंकू पुत्र प्रभूलाल आर्य और लोकेश पुत्र शंभूदयाल बैरवा हारजीत का दाव लगा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक ताश की गड्डी सहित 530 रूपये नगदी जब्त किए हैं।

सीमा पर सैनिकों की शहादत रोकने के लिये बनाया रोबोटिक हथियार मॉडल

संभागीय इंस्पायर अवार्ड प्रदर्शनी में किया मॉडल का प्रदर्शन राज्य स्तर के लिये चयन

शिवपुरी ब्यूरो-सोच की गहराई उम्र के दस्तावेजों में कैद नहीं होती यह बात शिवपुरी केंद्रीय विद्यालय में 7 वी कक्षा में पढने वाले नमन पुरोहित ने साबित कर दी है। उम्र के बंधनों से परे 13 वर्षीय नमन ने सीमाओं पर भारतीय सैनिकों की शहादत के दर्द को मिटाने के लिये रोबोटिक आर्म्स बनाने की दिशा में काम करना प्रारंभ कर दिया है। इंस्पायर अवार्ड 2019-20 के तहत ग्वालियर में 3-4 जनवरी को आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में उसकी सोच की सराहना करते हुए राज्य स्तर के लिये चयनित किया गया है। ग्वालियर में आयोजित इस विज्ञान प्रदर्शनी में ग्वालियर.चंबल संभाग के 8 जिलों से 110 बच्चों ने भाग लिया था। इस प्रदर्शनी के लिये शिवपुरी जिले से 5 बच्चों का चयन हुआ था, जिनमें से नमन पुरोहित को राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिये चयनित किया गया।

ऐसे आया विचार: शरहद पर सैनिकों की शहादत के बाद उनके परिजनों के दर्द से आहत बाल मन ने इसका हल खोजने का प्रयास किया। वीडियो गेम्स एवं फिल्मों में रोबोट की उपयोगिता देखकर उसके मन में रोबोटिक हथियार बनाने का विचार आया। उसने अपने क्लास टीचर इरफान अहमद अंसारी एवं विज्ञान शिक्षक शशांक त्रिपाठी से इस संबंध में चर्चा की तो उन्होंने भी रोबोटिक हथियार को सेना के लिये उपयोगी बताया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में नमन ने रोबोटिक हथियार के सम्बंध में जानकारियों का संकलन करना सुरु कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार शर्मा ने नमन के प्रोजेक्ट की उपयोगिता को देखते हुए इंस्पायर अवार्ड के लिये पंजीयन करा दिया। पंजीयन के बाद उसे जोन स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अपने मॉडल को प्रस्तुत करने हेतु चयन किया गया। अब नमन राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अपने मॉडल का प्रदर्शन करेगा।

परिवारिक स्थिति: मूलत: भिंड जिले के छोटे से गांव खेरियाबाग के निवासी नमन के पिता राघवेन्द्र पुरोहित महिला एवं बाल विकास विभाग में बाल संरक्षण अधिकारी के पद पर जिले में कार्यरत है। मंदसौर जिले में पदस्थापना के दौरान प्रदेश में सर्वाधिक बाल विवाह रोकने एवं सर्वाधिक बाल विवाह शून्य कराने के लिये उन्हें 8 मार्च 2018 को राज्यस्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया था। केंद्रीय विद्यालय शिवपुरी के अवार्डी छात्र नमन पुरोहित के अनुसार रोबोटिक हथियार से देश की सेना मजबूत होगी। नई पी ढ़ी के युद्ध के लिये रोबोटिक हथियारों की अत्यंत आवश्यकता है। कुछ विकसित देशों ने इस दिशा में अच्छे प्रयास किये है। जब हमारे देश में भी इस प्रकार के हथियार होंगे तो देश के सैनिकों की शहादत पर रोक लगेगी।

छात्राओ को सड़क सुरक्षा के लिए जागरुक किया

शिवपुरी ब्यूरो। सड़क सुरक्षा जागरुकता जागरुकता अभियान के तहत शक्तिशाली महिला संगठन समिति शिवपुरी के द्वारा मोर्थ के सहयोग से महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय कन्या उमाविधालय कोर्ट रोड़ शिवपुरी में छात्राओं को सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कि छात्राओं ने सड़क सुरक्षा विषय पर अपने अपने घरो से पेण्टिग बनाकर लाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएल पाण्डेय द्वारा छात्राओं को बताया गया कि आपमे से कितनी छात्राऐ स्कूटी चलाती हैं या चलाना चाहती है तो सब बोली हां चलाती हैं फिर उन्होने प्रश्न किया कि आपमें से कितनी छात्राओं के पास ड्रायविगं लायसेन्स है। तो सब खामोश हो गई किसी के पास भी लायसेन्स नही था न लायसेन्स कि प्रक्रिया पता थी इसके बाद श्री पाण्डेय ने बताया कि आप एमपी ऑनलाईन के माध्यम से परिवहन विभाग की साईट पर जाकर लायसेन्स के लिए आवेदन कर सकती हैं और महिलाओं एवं लड़कियो के लिए लायसेन्स की कोई फीस नही हैं पूरी तरीके से निःशुल्क हैं। कार्यक्रम में प्रशिक्षक नवी अहमद खान ने बताया कि छात्राऐ सड़क सुरक्षा अभियान में हमारा साथ दें एवं अपने आसपास के लोगों के स्वयं सेवक के रुप में सड़क सुरक्षा विषय पर जागरुक करने के लिए आगे आये तो हम दुर्घटना में जो बेकसूर लोग अपनी जान गंवा देते हैं उनको बचा सकते है एवं दो पहिया वाहन चालक विना हैलमेट के वाहन न चलाये।

मित्रता को खेल के माध्यम से आज भी जीवित रखे हैं : राजेश सिंह

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी शहर के होनहार छात्र विवेक पुरोहित गोलू की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पांचवी बार शहर के पोलोग्राउण्ड मैदान में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का शुभारंभ आज पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में गजेन्द्र सिंह कंवर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व टूर्नामेंट की अध्यक्षता पूर्व सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर ओपी शर्मा द्वारा की गई। यह क्रिकेट टूर्नामेंट का यह आयोजन 12 जनवरी तक अनवरत रूप से जारी रहेगा। जिसमें विजेता टीम को प्रथम पुरूस्कार के रूप में 31 हजार रूपए और चमचमाती ट्राफी प्रदान की जाएगी। वहीं द्वितीय पुरूस्कार उप विजेता टीम को 15 हजार रूपए एवं ट्राफी दी जाएगी। टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह ने क्रिकेट टूर्नामेंट को संबोधित करते हुए कहा कि शिवपुरी के युवाओं के लिए यह बहुत अच्छा अवसर हैं। साथ ही स्व. विवेक पुरोहित को मित्रों की सच्ची श्रद्धांजलि हैं कि उनके प्रिय खेल को आज भी वह मित्रवत जीवित बनाए हुए हैं और शिवपुरी के युवाओं को खेल का अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस कराया और स्वयं पुलिस अधीक्षक क्रिकेट खेलते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह कंवर ने गेंदबाजी कर मैच का शुभारंभ किया। इसके बाद खेल का भरपूर आनंद लिया। शिवपुरी ऐलवन ने टॉस जीत कर गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और ग्वालियर ऐलवन बल्लेबाजी करते हुए 192 रन पर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। इसके बाद शिवपुरी ऐलवन ने 110 रन बनाकर पराजित हो गई और ग्वालियर ऐलवन ने 82 रनों से जीत हांसिल की।

कांगड़ा की खूबसूरत वादियों के कवि राजीव डोगरा को मिला अटल ज्योति सम्मान

अटल काव्यांजलि समूह सतना मध्य प्रदेश द्वारा 16वा मासिक ऑनलाइन कवि सम्मेलन करवाया गया। जिसमें राजीव डोगरा को उनकी प्रस्तुति के लिए अटल ज्योति सम्मान से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान डॉ. राजेश श्रीवास्तव प्रखर

जी के कर कमलों द्वार मिला। संस्था के संस्थापक तारकेश्वर शुक्ल तारक,अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र प्रताप सिंह भ्रमर, तथा विशिष्ट अतिथि मीना भट्ट (पूर्व जिला न्यायाधीश मध्य प्रदेश) ने राजीव को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। दूसरी तरफ वर्ष 2020 का प्रथम पुरस्कार मिलने पर राजीव के पिता हंसराज माता सरोज कुमारी और बड़े भाई पीएचडी शोधकर्ता अमित डोगरा ने बहुत प्रसन्नता व्यक्त की।

जरूरतमंद की मदद करना हम सब का नैतिक दायित्व : सारिका जैन

भिण्ड,ब्यूरो। रविवार को जैन मिलन महिला एवं महिला महासभा द्वारा नगर पालिका के पीछे झुग्गी झोपड़ी में जाकर गरीब बच्चों महिलाओं पुरुषों के लिए वस्त्र वितरण का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर सारिका निजी जैन ने कहा, कि जरूरतमंद की मदद करना हम सब का नैतिक दायित्व है और हम सबको इसका पालन करना चाहिए। अपने जीवन में किसी ना किसी रूप में हमको दूसरे की मदद अवश्य करनी चाहिए। इस अवसर पर संगठन की किरण जैन ने कहा, कि हम हर वर्ष गरीबों के बीच जाकर उनके दुखों को बांटने का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर श्रीमती किरण जैन, सारिका निजी जैन, लक्ष्मी जैन,अंजू जैन, राखी जैन, ममता जैन, सपना जैन, सुनीता जैन, पूनम जैन, मीनू जैन, शर्मिला जैन, कु.सुरभी जैन, कु. मुस्कान, राखी जैन, सपना जैन, कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ जैन, बबलू सिंधी, प्रभात राजावत, दीपक शर्मा, देवांश जैन आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

राष्ट्र व समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आगे आए : न्यायाधीश

दतिया ब्यूरो। मूक बधिर आवासीय विद्यालय कलापुरम, दतिया में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जनसेवी टी. एन. चतुर्वेदी एवं उनकी पत्नी श्रीमती आशा चतुर्वेदी तथा श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती निवेदिता चतुर्वेदी अधिवक्ता द्वारा स्वै%छक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विशेष न्यायाधीश श्री.ष्ण मूर्ति मिश्र एवं प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश दतिया हितेंद्र द्विवेदी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य हो की टी. एन. चतुर्वेदी एवं उनकी पुत्री श्रीमती निवेदिता चतुर्वेदी पूर्व से ही जनसेवा के कार्यों में अपनी सहभागिता प्रदान करते आए हैं। इसी के तहत उन्होंने मूक-बधिर आवासीय विद्यालय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वै%छक सहायता कार्यक्रम के तहत उक्त विद्यालय में अध्ययनरत मूक बधिर छात्र-छात्राओं की सहायतार्थ गद्दे व राशन सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष न्यायाधीश श्री मिश्र एवं प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश श्री द्विवेदी ने श्री चतुर्वेदी व उनके परिवार द्वारा आयोजित स्वैच्छिक सहायता कार्यक्रम की सराहना करते हुए राष्ट्र व समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मानवीयता के भाव को सदैव अपने अंदर रखना और उसके तहत जनसेवा के लिए आगे आने का सभी से आवाहन किया। श्रीमती निवेदिता चतुर्वेदी द्वारा जन सेवा के कार्यों को जमीनी स्तर पर आकर किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया और भविष्य में भी इस तरह के स्वैच्छिक सहायता कार्यक्रम आयोजित करते रहने का संकल्प लेते हुए समाज सेवा के क्षेत्र में सुधारों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

मूक बधिर विद्यालय में स्वैच्छिक सहायता कार्यक्रम संपन्न

हमले के विरोध में सिंख समुदाय ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए

दतिया ब्यूरो। पाकिस्तान में गुरूनानक देव की जन्म स्थली ननकाना साहिब गुरूद्वारे पर हुये हमले के बार पूरे देष में सिख समुदाय में गुस्सा फूट पड़ा दतिया में भी लोगों में आक्रोस देखने को मिला पीताम्बरा पीठ के पास बने गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा के सामने हिन्दू, सिख व सिंधी समुदाय के लोग एकत्रित हुये और उन्होंने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये उन्होंने प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ भी नारे लगाये। इसके बाद सभी एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुये निकले जो राजगढ चौराहे पर जमकर प्रदर्षन किया। इसके बाद तहसीलदार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा गुरूद्वारा जन्म स्थान पर ननकाना साहिब में पत्थरबाजी और सिखों पर हमले की घटना को लेकर सभी ने निन्दा की और कहा कि पाकिस्तान ने अल्प संख्याओं का उत्पीडन एक वास्तविकता है सिख समाज ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को इस घटना के लिए जिम्मेदार मानते हये भारत से कटट्र पंथी मुसलमानों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की माँग की है।

रजक समाज का दतिया के विकास में हमेशा सहयोग रहा है : डॉ मिश्रा

दतिया ब्यूरो। पूर्व जनसंपर्क मंत्री दतिया विधायक डॉ नरोत्तम मिश्रा अपने निवास पर दतिया पहुंचे और दतिया विधानसभा क्षेत्र के आम नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की इसके पश्चात भांडेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उन्नाव के लिए दतिया से रवाना हुए जहां पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र रेशू दांगी के नेतृत्व में सेरसा ललुआ परासरी मैं जगह-जगह पुष्प वर्षा कर एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया इसके पश्चात पूर्व मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भगवान सूर्य मंदिर उनाव पहुंचे जहां पर उन्होंने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की फिर लवान की माता पर आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा पूर्व मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बिधौलिया एवं जिले के सभी भाजपा मंडल अध्यक्षों का शाल श्रीफल एवं फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। इसके पश्चात पूर्व मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा सेवड़ा चुंगी पर रजक समाज के सामुदायिक भवन के लोकार्पण लोकार्पण किया और कहा कि रजक समाज ने हमेशा दतिया के विकास में बढ़-चढ़कर भाग लिया है रजक समाज भोली भाली समाज है रजक समाज के उत्थान के लिए भारतीय जनता पार्टी और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश के अंदर चलाई जा रही लाभकारी योजनाएं चलाई जिससे रजक समाज के युवा बुजुर्ग एवं महिलाएं लाभान्वित होंगे समाज के नागरिकों इस समुदायिक भवन के प्रांगण में हरे-भरे पौधे लगाना चाहिए जिससे यह प्रांगण स्वच्छ रहें कार्यक्रम का संचालन सुरेश रजक के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार समाज के अध्यक्ष जनपद सदस्य लला रजक के द्वारा किया गया।

कांग्रेस और वामपंथी दल समाज में भ्रम फैला रहे है : हरीओम सिंह

दतिया ब्यूरो। वार्ड क्रमांक-५, १ सेंवढा चुंगी एवं आसपास के क्षेत्र में नागरिकता संषोधन अधिनियम को समझाते हुये भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर सम्पर्क किया। इस दौरान नगर महामंत्री हरिओम सिह यादव ने कहा कांग्रेस नागरिकता संषोधन बिल को पचा नहीं पा रही है। इसलिए वह लोगों में भ्रम फैला रही है और यह सब बोट के लिए कर रही है। उसके लिए बोट पहले है देष बाद में इस अवसर पर व्यापार प्रकोश्ट अध्यक्ष राजू गुगौरिया, मनमोहन तिवारी, विजय झंडागुरू, राजू साहू, पप्पू, मनोज, विनोद गुप्ता, राजेष सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी तरह विधायक डॉ. नरोत्तम मिश्रा, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बुधौलिया, नगर अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने सीएए के विषय को लेकर घर-घर संपर्क किया और लोगों को बताया कि सीएए के कारण से किसी भी भारतीय की नागरिकता नहीं जाने वाली है। यह तो सिर्फ लोगों को नागरिकता देने वाला बिल है। जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान के हिंदू, सिख, इसाई, जैन, पारसी, बौद्ध धर्म के लोगों को वहाँ की सरकार द्वारा धार्मिक रूप से प्रताडित किया गया हो, उन्हें नागरिकता देगी।

आरोपी को सजा दिलाने के लिये विवेचना का स्तर उच्च होना जरूरी :डीआईजी पाण्डेय

ग्वालियर। सोमवार पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में डीआईजी एके पाण्डेय ने प्रकरणों की समीक्षा करते हुये उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि 420 भादवि के प्रकरणों की विवेचना उच्च स्तर की होनी चाहिये जिससे आरोपी को न्यायालय से सजा दिलाई जा सके। उन्होने यह भी कहा कि ज्यादा समय तक किसी भी अपराध को लंबित रखने से इसका लाभ आरोपी पक्ष को मिलता है इसलिये प्रकरणों का निकाल शीघ्रता से किया जावे। वहीं एसपी नवनीत भसीन ने लंबित अपराधों की थानावार समीक्षा करते हुए उपस्थित राजपत्रित अधिकारियों 173(8)जाफौ के पेण्डिंग अपराधों तथा 420 भादवि के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करने के निर्देश दिये और कहा कि वह लंबित अपराधों की भी समीक्षा कर विवेचकों को दिशा निर्देश दें और यह भी देखे कि कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित तो नहीं रखा गया है। क्योंकि प्रकरण को अनावश्यक लंबित रखने से फरियादी को त्वरित न्याय नहीं मिल पाता है। उन्होंने आदतन अपराधियों के खिलाफ एनएसए की कार्यवाही करने के निर्देश भी थाना प्रभारियों को दिये।

आदतन अपराधियों के खिलाफ की जाएगी एनएसए की कार्यवाही-एसपी भसीन

बैठक में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व पंकज पाण्डेय, शहर पश्चिम सत्येन्द्र सिंह तोमर, शहर मध्य निवेदिता गुप्ता सहित समस्त नगर पुलिस अधीक्षक एवं ग्वालियर शहर के समस्त थाना प्रभारी उपस्थित थे।

9 विकेट से मुम्बई की शानदार जीत

ग्वालियर । सोमवार को आईटीएम यूनिवर्सिटी में खेले गए एक अन्य मुकाबले में मुम्बई यूनिवर्सिटी ने 9 विकेट से शिवाजी यूनिवर्सिटी के खिलाफ जीत दर्ज की। आईटीएम यूनिवर्सिटी की मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट में मुम्बई यूनिवर्सिटी ने टॉस जीतते हुए पहले बॉलिंग की। पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी शिवाजी यूनिवर्सिटी के सारे प्लेयर 188 रन बनाकर ढेर हो गए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन से मात्र 1 विकेट खोकर 192 रन बनाए। खिलाड़ी ओंकार जाधव की 90 रन और जपजीत रंधावा ने 88 रनों की

साझेदारी से टीम को विजयी बनाया। वहीं जीवाजी यूनिवर्सिटी में खेले गए एक अन्य रोमांचक मुकाबले में आरटीएमएन यूनिवर्सिटी नागपुर ने बरकातुल्ला यूनिवर्सिटी के खिलाफ 61 रन से जीतकर वेस्ट जोन क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतिम दौर में प्रवेश किया। नागपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 216 रन बनाए थे। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बरकातुल्ला यूनिवर्सिटी की टीम 165 पर ही ढेर हो गई। विजयी टीम की तरफ से यश राठौर ने शानदार 66 और क्षितिज दहिया ने शानदार 47 रन की बेहतरीन पारी खेली।

सिक्योरिटी गार्ड पर कट्टा अड़ाकर राइफल लूटी

ग्वालियर। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र न्यू कलेक्ट्रट के पहाड़ी के पीछे आज सुबह ड्यूटी कर वापस घर जा रहे सिक्योरिटी गार्ड से बाइक सवार दो बदमाशों ने राम-राम की और कुछ आगे जाने के बाद कट्टा अड़ाकर गार्ड की राइफल लूट ली। जब गार्ड ने विरोध किया तो बदमाशों ने उसकी मारपीट कर दी। वारदात का पता चलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के महलगांव निवासी जसवंत पालिया पुत्र मंसाराम पालिया सिक्योरिटी गार्ड है और अभी वह गुलमोहर गार्डन पर तैनात है। रोजाना की तरह बीती शाम सात बजे वह अपनी ड्यूटी पर 315 बोर लायसेंसी राइफल लेकर आया था। रात को ड्यूटी करने के बाद आज सुबह 6 बजे अपने घर जाने के लिये निकला था। राइफल सायकिल से बांधने के बाद वह अभी कुछ ही दूरी पर पहुंचा था कि तभी उसे दो युवक बाइक के पास खड़े दिखाई दिये। उनके पास आने पर दोनों युवकों ने उनसे

राम-राम की। इसके बाद वह आगे बढ़ गये। इसके बाद बाइक सवार भी आगे निकल गये। कुछ दूरी पर पहुंचने पर दोनों युवक उन्हें दिखाई दिये और उनके पास आते ही एक युवक ने उन्हें रोका और साइकिल रोकते ही उनकी छाती पर कट्टा अड़ा दिया। इसी बीच दूसरे बदमाश ने उनकी राइफल साइकिल से निकाल ली,राइफल निकालते ही उन्होंने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने कट्टे और राइफल के बट से उन पर वार कर दिये। इसके बाद बदमाश राइफल, एक हजार रूपये और उनका मोबाइल लूट फरार हो गये। लूट का शिकार गार्ड किसी तरह अपनी जान बचाकर वापस गुलमोहर गार्डन पहुंचा और घटना की जानकारी साथी गार्डों और पुलिस को दी।

संसार में भरत जैसा भाई मिलना असंभव : पूज्य चिन्मयानंद बापू

ग्वालियर। राष्ट्रीय संत पूज्य चिन्मयानंद बापू ने कहा है कि पूरे संसार में किसी को भी भरत जैसा भाई मिलना असंभव सा है। पूज्य संत चिन्मयानंद बापू आज कैलादेवी महारानी एवं कुंवर बाबा मंदिर महलगांव सिटी सेंटर के मैदान पर भागवत प्रेम परिवार द्वारा आयोजित श्री रामकथा के आठवे दिन धर्मप्रेमियों को श्री राम कथा का रसपान करा रहे थे। राष्ट्रीय संत पूज्य चिन्मयानंद बापू ने कथा को आगे बढाते हुए भरत चरित्र का विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि जो माता भरत जैसे संत की मां हो , प्रभु राम की अति प्रिय मां हो ,वह संसार में निंदनीय कैसे हो सकती है । उन्होंने कहा कि केकई माता ने जो दो वरदान महाराज दशरथ से मांगे वह प्रभु राम की ही मर्जी थी क्योंकि उन्होंने ही धर्म की रक्षा के लिए अपनी मां से यह दो वरदान मांगने के लिए आग्रह किया था । पूज्य बापू ने कहा कि मां केकई जानती थी कि ऐसे वरदान मांगने के बाद समाज में लोग उनकी निंदा करेंगे उनको बुरा भला कहेंगे , लेकिन उसके बावजूद प्रभु राम की इच्छा -दीक्षा को देखते हुए उन्होंने प्रभु के लिए वनवास मांगा और अपने बेटे प्रभु राम की इच्छा की पूर्ति की ।

माता कैकई के वरदान मांगने के बाद जब भगवान राम बनवासी भेष में अपनी मां कौशल्या के पास पहुंचे और उन्होंने कहा कि मेरे पिता ने मुझे अयोध्या का नहीं वन का राजा बना

दिया है , तब माता कौशल्या ने पूछा की बेटा तुम्हारे पिता तुमसे इतना प्रेम करते थे फिर उन्होंने तुझे वन जाने का आदेश कैसे दे दिया। इस पर प्रभु राम ने कहा मां केकई ने दो वरदान मांगे जिस कारण मैं वन जा रहा हूं इस पर माता कौशल्या ने कहा कि यदि सिर्फ तेरे पिता की इच्छा होती तो शायद मैं तुझे रोक लेती , लेकिन यदि तेरी मां की इच्छा है तो तुम अवश्य वन को जाओ। माता कौशल्या ने यह भी कहा कि संसार में कोई भी मां अपने बच्चों के लिए गलत नहीं सोचती। उन्होंने प्रभु राम को आशीर्वाद दिया कि बेटा जाओ वन 100 अयोध्या के बराबर हैं। इसके उपरांत प्रभु राम ,माता जानकी और भाई लक्ष्मण के साथ वन के लिए निकल गए। पूज्य चिन्मयानंद बापू ने कहा कि मार्ग में भगवान राम एक दिन निषाद राज के यहां रुके और भगवान ने केवट पर कृपा की केवट चरण धोना चाहता था और जिसके लिए उसने प्रभु से बहुत बातें की जिससे भगवान प्रसन्न हुए और केवट को चरण धोने का मौका मिला। पूज्य बापू ने कहा कि रामचरित मानस में केवट की भक्ति बड़ी अनूठी भक्ति है । उन्होंने कहा कि मानस में दो ही ऐसे लोग हैं जिन्होंने भगवान से बहुत बातें की एक तो केवट और दूसरी बाली । पूज्य बापू ने कहा की महाराज दशरथ के निधन के बाद प्रभु राम के भाई भरत अयोध्या आए और उन्होंने राम वन गमन की खबर सुनते ही अपनी माता केकई का परित्याग कर दिया । उन्होंने कहा कि जिसको राम-सीता प्रिय ना हो ऐसे व्यक्ति का परित्याग ही कर देना चाहिए। इसके बाद में भरत सारे अयोध्या वासियों के साथ भगवान से मिलने चित्रकूट जाते हैं और प्रभु राम से मुलाकात करते हैं । पूज्य बापू ने कहा कि राम और भरत का प्रेम मानो ऐसा प्रेम है जैसे दो सागरों का मिलन हो राम और भरत के प्रेम को देखकर चित्रकूट के पत्थर भी पिघल गए । लेकिन राम अयोध्या वापस जाने को तैयार नहीं हुए। उन्होने कहा कि संसार में हर असंभव चीज संभव हो सकती है लेकिन भरत जैसा भाई मिलना मिलना तो दूर असंभव बात है । स्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में कहा कि जो लोग भरत चरित्र की कथा का रसपान करते हैं उनको प्रभु राम की भक्ति प्राप्त होती है।

श्री रामकथा में आज–कैलादेवी महारानी एवं कुंवर बाबा मंदिर महलगांव सिटी सेंटर के मैदान पर भागवत प्रेम परिवार द्वारा आयोजित श्री रामकथा में कल मंगलवार को राम कथा विराम किया जाएगा । इसमें मुख्य रूप से सुंदरकांड की कथा का रसपान कराया जाएगा और नौ दिवसीय श्री राम कथा कल मंगलवार को विराम होगी।

छात्र-छात्राएं लगातार प्रयास कर सफलता हासिल करें: मंत्री लाखन सिंह

ग्वालियर। प्रदेश के पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री लाखन सिंह यादव ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि जीवन में संघर्ष का विशेष महत्व है। संघर्ष से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि असफल होने पर निराश न हो बल्कि और अधिक ऊर्जा एवं मेहनत के साथ तैयारी करें। जिससे सफलता अवश्य प्राप्त होगी। श्री लाखन सिंह रविवार को रॉक्सी पुल स्थित ए.एस. अकेडमी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में चंबल रेंज के डीआईजी अशोक गोयल, भीकम सिंह यादव, एकेडमी के संचालक वीरेन्द्र धाकड़, राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के सचिव संजय यादव, घाटीगांव जनपद के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेन्द्र गुर्जर, आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

सुबह की शुरूआत कोहरे से,ठंड ने किया फिर परेशान

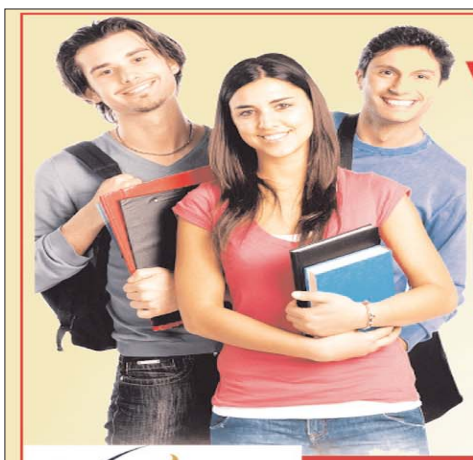

ग्वालियर। शनिवार से सर्दी के बाद राहत लोगों को राहत तो मिली लेकिन रविवार सुबह एक बार फिर ठंड ने पलटा खाया,साथ

ही कोहरे ने भी परेशान किया। दिन में जरूर निकली धूप ने कुछ समय तक राहत दी। अब लोग एक ही बात कह रहे है कि आखिर सर्दी का यह सितम कब तक रहेगा। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि अभी 24 घंटे हालात फिर ऐसे ही रहने वाले है। सुबह से घने कोहरे और सर्द हवा के चलते लोग घर से नहीं निकल पा रहे है,वहीं सुबह दृष्टता इतनी कम रही कि लोगों को वाहन चलाने में भारी परेशानी हुई। आज रविवार को न्यूतम पारा सुबह 10 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। यह सामान्य से 4 डिग्री प्लस दर्ज हुआ। आर्द्रता सामान्य से 20 प्रतिशत अधिक रही।

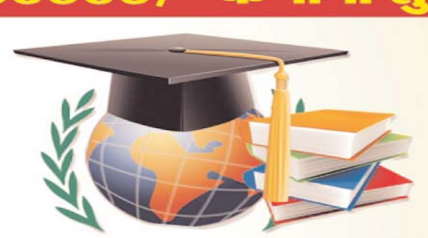

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478